SLC(University of Delhi)
Shyam Lal College

Programme Specific Outcomes and Course Outcomes
B.A (H) Hindi

श्यामलाल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रोग्राम एवं पाठ्यक्रम संबंधित आउटकम

हिन्दी (प्रतिष्ठा)

प्रोग्राम संबंधित आउटकम

Programme Learning Outcome

प्रोग्राम	प्रोग्राम संबंधी आउटकम	शिक्षण अधिगम प्रक्रिया
बीए(ऑनर्स) हिन्दी	1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी. 2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ–साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा. 3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा. 4. छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे. 5. व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना, जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके. 6. हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा. 7. साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना. 8. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना. 9. साहित्य के आदिकालीन संदर्भों से लेकर समकालीन रूप तक से परिचित कराना, जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान 3. आंतरिक मूल्यांकन 4. फिल्म स्क्रीनिंग 5. प्रोजेक्ट निर्माण 6. प्रेजेंटेशन 7. प्रश्नोत्तरी 8. कार्यशाला 9. साहित्यिक यात्रा

	युगबोध के संबंध को परख कर पहचान सके. 10. साहित्य विवेक का निर्माण.	

पाठ्यक्रम संबंधित आउटकम

Course Learning Outcomes

कोर विषय - सेमेस्टर 1 :

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	शिक्षण उपागम
हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास	1. उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा। 2. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा। 3. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी कविता(आदिकाल एवं भक्तिकाल)	4. आदिकाल के परिवेश– राजनीतिक, सामाजिक,सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे। 5. आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे। 6. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा। 7. भक्तिकालीन साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।

कोर विषय - सेमेस्टर 2 :

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी साहित्य का इतिहास(आदिकाल एवं भक्तिकाल)	1. हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान। 2. इतिहास ग्रंथों का विश्लेषण। 3. इतिहास निर्माण की पद्धति।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी कविता (रीतिकालीन काव्य)	1. हिंदी के उत्तर–मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा। 2. ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।

कोर विषय - सेमेस्टर 3 :

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)	1. विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है। 2. साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ समाज के विकास को भी चिह्नित करना है। साहित्येतिहास के बिना साहित्य विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अत: साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन करना जरूरी है।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।

हिन्दी कविता (आधुनिक काल, छायावाद तक)	1. आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी। 2. साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण। 3. कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।
हिन्दी कहानी	1. हिंदी कथा साहित्य का परिचय। 2. कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण। 3. प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, फिल्म स्क्रीनिंग।

कोर विषय - सेमेस्टर 4 :

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
भारतीय काव्यशास्त्र	1. भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी। 2. आधुनिक हिंदीआलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र के प्रदेय का पता चलेगा। 3. संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)	1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता को काल विशेष के संदर्भ में गहन रूप से जान सकेंगे। 2. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है। 3. छात्र कविता सीखने के साथ–साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे। 4. कविता के दोनों पक्षों– भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा। 5. आज भूमंडलीकरण का युग है हिंदी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।

	भूमिका निभा सकता है। यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है।	
हिन्दी उपन्यास	1. उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति की जानकारी मिलेगी। 2. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान। 3. प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, फिल्म स्क्रीनिंग।

कोर विषय - सेमेस्टर 5 :

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1. प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन–धारा की समझ विकसित होगी। 2. नई विचारधारा और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी नाटक/एकांकी	1. संबंधित नाटककारों के युग की सामाजिक–सांस्कृतिक–साहित्यिक–धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे। 2. विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक समरसता का भाव विकसित होगा। 3. स्त्री सशक्तीकरण के भाव को बल मिलेगा। 4. नैतिक मूल्यों का विकास होगा। 5. साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा ट्रिप, कार्यशाला।

कोर विषय - सेमेस्टर 6 :

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	

हिन्दी आलोचना	1. विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी। 2. रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी। 3. रचना के गुणे–दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे. 4. रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा.	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।
हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	1. कथेतर साहित्य का परिचय। 2. विश्लेषण और रचना–प्रक्रिया की समझ। 3. प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।

हिन्दी विषय आधारित शैक्षणिक कार्यक्रम (HDSEC)

सेमेस्टर 5

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी की मौखिक एवं लोक साहित्य परंपरा	1. भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा। 2. पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।
अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य	1. अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान। 2. विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना। 3. प्रमुख कृतियों का परिचय।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, अस्मितामूलक विमर्श को उभारनेवाली फिल्म की स्क्रीनिंग।

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत	1. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच के महत्वपूर्ण पक्षों का अध्ययन–विश्लेषण। 2. नाटक रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं का परिचय प्राप्त होग। 3. प्रदर्शनकारी कलाओं के साथ संवाद होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा ट्रिप, कार्यशाला।

सेमेस्टर 5

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	1. हिंदी भाषा वर्तमान समय में तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। अत: हिंदी के स्वरूप को आधार रूप से सुगठित बनाने की प्रक्रिया पर बल देना चाहिए। यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा को आधार रूप से व्यवस्थित करेगा। 2. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषागत रूप को शुद्ध करने का पूर्ण प्रयास करता है। 3. मौखिक अभिव्यक्ति के मानक, अमानक रूपों को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जाना जा सकता है। 4. विद्यार्थियों की हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग बढ़ाने में यह पाठ्यक्रम मदद करेगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास, प्रश्नोत्तरी।
कोश विज्ञान : शब्दकोश एवं विश्वकोश	1. कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों से परिचित हो सकेंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा	2. अखिल भारतीय साहित्य की समझ विकसित होगी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण

	3. एकसूत्रता में सांस्कृतिक विविधता की समझ।	प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास, प्रश्नोत्तरी।

सेमेस्टर 6

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
लोक नाट्य	1. पर्यटन, लोक–संगीत, विभिन्न नाट्य रूपों में रुचि जाग्रत होगी। 2. लोक–भावना और भारत बोध के बीच संवाद होगा। 3. भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
हिन्दी की भाषिक विविधताएं	1. प्रमुख रचनाकारों और प्रस्तुतियों से लाभान्वित होना। 2. विश्लेषण क्षमता। 3. साहित्यिकता की समझ विकसित करना। 4. पर्यटन, नृत्य–संगीत आदि में रुचि का अवसर।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन	4. भारतीय साहित्य का ज्ञान। 5. व्यक्तित्व विकास में सहायक। 6. अभिव्यक्ति क्षमता का विकास।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।

सेमेस्टर 6

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
शोध प्रविधि	1. विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूता को बढ़ा सकेंगे। 2. शोध के स्वरूप की व्यावहारिक समझ विकसित होगी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण

	3. शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझ सकेंगे। 4. व्यावहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सीख सकेंगे।	प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
अवधारणात्मक साहित्यिक पद	1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना सिद्धांतों के बीज शब्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। 2. साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों में आनेवाले पारिभाषिक शब्दों के विशिष्ट अर्थबोध को विस्तार से समझा जा सकेगा। 3. पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थी इन बीज शब्दों के मूल सिद्धांतों का भी सहज रूप से विश्लेषण कर पाने में समर्थ हो सकेंगे। 4. अवधारणामूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का सहज विश्लेषण कर सकेगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी रंगमंच	1. रंगमंच के विकास के साथ–साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी। 2. प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पायेंगे। 3. पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी। 4. भारतबोध विकसित होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास, कक्षा, ट्रिप, कार्यशाला।

हिन्दी कौशल संवर्धक ऐच्छिक कार्यक्रम (HSEC)

सेमेस्टर 3

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
विज्ञापन और हिन्दी भाषा	1. विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन–विश्लेषण का अवसर मिलेगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन

	2. निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना। 3. इन क्षेत्रों में रोजगार करने की योग्यता।	प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास, फिल्म प्रस्तुति।
कंप्यूटर और हिन्दी भाषा	1. विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा। 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखो की प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। 3. हिंदी के विभिन्न फॉन्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा। 4. हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग किया जा सकेगा। 5. कंप्यूटर में हिंदी की सं्भावनाओं और चुनौतियों को जान पायेगा। 6. ई गवर्नेंस, ई लर्निंग, एसएमएस का हिंदी में प्रयोग कर पायेगा। 7. हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो पायेगा। 8. राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चत किया जा सकेगा। 9. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ–साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
सोशल मीडिया	10. बाजार, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
अनुवाद कौशल	1. अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान

	2. विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन। 3. प्रयोगात्मक कार्य।	आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।

सेमेस्टर 4

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
कार्यालयी हिन्दी	1. कार्यालयी हिंदी की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी होगी। 2. हिंदी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्र की मांग का अनुमान कर सकेंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
भाषायी दक्षता	1. छात्र भाषा दक्षता, समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत होंगे। 2. भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो पायेंगे। 3. व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ–साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे। 4. भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप, भाषण, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा का भी अध्ययन कर पायेंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।
भाषा और समाज	1. भाषा और समुदाय को बदलते हुए भारतीय परिवेश में जानना। 2. भाषा और जातीयता के विविध रूपों का विश्लेषण करना। 3. द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विभिन्न प्रारूपों से अवगत होना और उनका संदर्भगत विवेचन।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।

	4. भाषा और संस्कृति के मूल बिंदुओं की गहन जानकारी प्राप्त करना। 5. भाषा सर्वेक्षण, उनके विविध रूप तथा भाषा नमूनों का विश्लेषण करना तथा भाषा के नवीन प्रयोग का अध्ययन करना।	

हिंदी सामान्य ऐच्छिक (जेनरिक) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
लोकप्रिय साहित्य	1. भारतीय लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य के करीब जा सकेंगे जो देश की आंतरिक धारा का आधार है। 2. सामान्य पाठक वर्ग के अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।
हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	1. हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ। 2. सिनेमा निर्माण,प्रसार और कैमरे की भूमिका की व्यावहारिक समझ।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कार्यशाला।

सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
रचनात्मक लेखन	1. रचनात्मकता का विकास 2. विभिन्न क्षेत्रों जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, लेखन एवं कला के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सहायक होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास. रचनात्मक लेखन कार्यशाला।
पटकथा तथा संवाद लेखन	पटकथा क्या है, यह समझेंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान

	पटकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे। कहानी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पटकथा में रूपांतरित करना सीखेंगे। भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।	आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कार्यशाला।

सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद	अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी। क्षेत्र विशेष की मांग से परिचित होंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कार्यशाला।
भाषा और समाज	भाषा और समाज के अंतरसंबध की जानकारी। समाज में भाषा व्यवहार की जानकारी। सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।

सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	हिंदी की अंतरराष्ट्रीय स्थिति का परिचय। विकास के नये क्षेत्र : उपलब्धियां और चुनौतियां	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।
भाषा शिक्षण	विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही भाषा की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषायी संदर्भों को जान सकेंगे। विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण, मीडिया, अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर पायेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कार्यशाला।

AECC - सम्प्रेषण

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	प्रभावी सम्प्रेषण का महत्व समझने के साथ–साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पठन में भी सक्षम होंगे।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कार्यशाला।